



25.7.18 पत्रावली वैश टर्न श्रीमान् श्री. ओ. साहू अन्य कार्यों में व्यस्त  
पत्रावली दि० ८.8.18

8.8.18 पत्रावली वैश टर्न श्रीमान् श्री. ओ. साहू से बाहर  
पत्रावली दि० 23.8.18

23.8.18 पत्रावली वैश टर्न श्रीमान् श्री. ओ. साहू  
पत्रावली दि० 11.9.18

11.9.18 लघु व्यापक कार्य करने उपर P.O. साहू  
अन्य कार्यों में व्यस्त हैं पत्रावली वास्तु  
जवाब हेतु दि० 26.9.18 को पेश है।

26.9.18 पत्रावली वैश टर्न श्रीमान् श्री. ओ. साहू  
वकील इत्यादि से पेश है।  
पत्रावली दि० 16.11.18

16.11.18 पत्रावली वैश टर्न श्रीमान् श्री. ओ. साहू  
पुनः 18.11.18 को पेश है।  
पत्रावली दि० 17.1.19

17.1.19 पत्रावली वैश टर्न श्रीमान् श्री. ओ. साहू अन्य कार्यों में व्यस्त  
पत्रावली दि० 18.1.19 को पेश है।

18.1.19 पत्रावली वैश टर्न श्रीमान् श्री. ओ. साहू अन्य कार्यों में व्यस्त  
पत्रावली दि० 21.1.19 को पेश है।

21.1.19 पत्रावली वैश टर्न श्रीमान् श्री. ओ. साहू अन्य कार्यों में व्यस्त  
पत्रावली दि० 4.2.19 को पेश है।

4.2.19 पत्रावली वैश टर्न श्रीमान् श्री. ओ. साहू  
कार्य समाप्त होने का कार्य स्विकार है।  
पत्रावली दि० 5.2.19

मुकदमा नं०	सन	अनवान	बनाम
तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज		नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	5/19	पत्रावली पैदा हुई श्रीमान् पी.ओ. सप्लम का रजिस्ट्रार	
12/19	12-3-19	पत्रावली पैदा हुई श्रीमान् पी.ओ. सप्लम का रजिस्ट्रार	
28/19	28-3-19	पत्रावली पैदा हुई श्रीमान् पी.ओ. सप्लम का रजिस्ट्रार	
3/19	3-4-19	पत्रावली पैदा हुई श्रीमान् पी.ओ. सप्लम का रजिस्ट्रार	
8/19	8-4-19	पत्रावली पैदा हुई श्रीमान् पी.ओ. सप्लम का रजिस्ट्रार	
13-5-19	13-5-19	पत्रावली पैदा हुई श्रीमान् पी.ओ. सप्लम का रजिस्ट्रार	
15-5-19	15-5-19	पत्रावली पैदा हुई श्रीमान् पी.ओ. सप्लम का रजिस्ट्रार	
28/2019	29-5-19	पत्रावली पैदा हुई श्रीमान् पी.ओ. सप्लम का रजिस्ट्रार	
		<del>वकील वकीला एवं अन्य वकीला</del> <del>के निवेदन पर पत्रावली जारी</del> <del>की गई वकील वकीला वकीला</del> <del>निवेदन किया कि हम पत्रावली</del> <del>का आपस रबीनामा के द्वारा</del>	

रजिस्ट्रार

मुकदमा नं०

सन्

अनवान

बनाम

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	<p><del>श्री इरावति यह खाद नहीं चखाने चाहते खाद खरीज किया जाये।</del> <del>कवीश के खाद नहीं चखाने के कारण खाद कवीश खरीज किया जाये।</del> <del>दरिद्र दफतर ही इतिहास सुनाया गया।</del></p>	